

जूडो सिखाता है साहस, आत्मसंयम और अनुशासन का पाठ : राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि जूडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि साहस, आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। यह विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और संतुलन के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है। विशेषकर बालिकाओं के लिए जूडो आत्मरक्षा और मानसिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। राज्यपाल डेका सरकेटा स्थित खेल परिसर में 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप-2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बालक-बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वाधान में बिलासपुर जूडो संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य भर के 16 जिलों से 240 खिलाड़ी एवं

राज्यपाल ने किया 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो चैम्पियनशिप का शुभारंभ

प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। सीखकर भाग लेना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान श्री डेका ने कहा कि खेल सभ्य प्रतिस्पर्धी का सम्मान करना, जीत में विनम्र रहना और हार से सीखकर आगे बढ़ना सिखाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों और ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत



राज्यपाल ने कोंडागांव जिले की जूडो खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि योगिता मंडावी को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। वहीं रंजीत पुरकार से सम्मानित किया गया है। हैमवती नाग ने खेलों इंडिया नेशनल गैम्स और ओपन नेशनल प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। वहीं रंजीत कोटी ने तादवान में आयोजित एशियन कैडेट जूडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रमाराह में श्री डेका ने जूडो में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले हैमवती नाग, अभिषेक जयसवाल, कुमार शारदा गोस्वामी और योगिता मंडावी को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कामना की। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की राज्यपाल ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ से खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास निरंतर जारी रखने की अपेक्षा की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर बिलासपुर संजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण दिवदी, महासचिव शम्भू सोनी, बिलासपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष बालेंद्र शुक्ला, सहित खेल संघ के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

खास खबर

सहकारिता आंदोलन को गति देने स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनाएं कार्ययोजना : डॉ. आशीष भूटानी

नई दृष्टिविंदू / रायपुर



अगला राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन जेनवरी में तमिलनाडु के महालक्ष्मीपुरम में होगा

भारत सरकार के सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी ने कहा है कि देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए सभी राज्यों को अपनी भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। सहकारिता के लिए पूरे देश में एक ही मॉडल लागू करना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कार्यशाला में हुए विचार-विमर्श के आधार पर ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसके क्रियान्वयन की समयबद्ध समीक्षा करने पर जोर दिया।

डॉ. भूटानी बस्तर जिले में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन सहकार से समृद्धि के सम्पादन सत्र की संवोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी दो से तीन वर्षों में लगभग 95 हजार नई प्राथमिक कृषि साख समितियां (पैक्स) के गठन का लक्ष्य है। इससे ग्राम स्तर पर सहकारिता का आधार मजबूत होगा। जिला कैटेरीय सहकारी संघ की आर्थिक स्थिरता के लिए पैक्स का आर्थिक रूप से सक्षम और सक्रिय होना जरूरी है। उन्होंने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के सहकारी उत्पादों की वैश्विक पहचान बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं एनसीएसएल, एनसीसीएल और बीबीएसएसएल के साथ बेहतर सम्बन्ध स्थापित करने की आवश्यकता बताई।



सहकारी बैंकिंग व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने नाइबट्ट द्वारा विकसित किए जा रहे एकीकृत को बैंकिंग सॉल्यूशन प्लेटफॉर्म की प्रगति की जागरूकता की। उन्होंने कहा कि तकनीकी उन्नयन से सहकारी बैंकों की सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही साक्षर सुरक्षा मजबूत करने और वित्तीय जोगिमेंट से बचाव के लिए सरकारी बचत के निर्देश दिए। उन्होंने पैक्स कंप्यूटीकरण के पहले चरण को दिस्तंबर तक पूरा करने और लोवित ऑडिट कार्य अक्टूबर तक निपटाने पर भी जोर दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए डॉ. भूटानी ने देवव्यापी विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना के तहत गोदाम किसानों में तेजी लाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अतिरिक्त किसानों के लिए टिकाऊ स्थानीय विपणन विकल्प विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने गांवों में असंगठित द्रुपध कस्बों के केंद्रों को औपचारिक डेयरी सहकारी समितियों में बदलने की जरूरत को स्मरण कर दिया। समेकन के सम्पादन पर डॉ. भूटानी ने आोजन की बेहतर व्यवस्था और आस्थि के लिए छत्तीसगढ़ सरकार तथा बस्तर जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने बताया कि सहकारिता क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा के लिए अगला राष्ट्रीय सम्मेलन जनवरी 2027 में तमिलनाडु के महालक्ष्मीपुरम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर तमिलनाडु की और मुख्य सचिव सहकारिता श्रीमती पी. अमुधा, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सहकारिता पंजब चंवल, संयुक्त सचिव सहकारिता सिद्धार्थ जैन, छत्तीसगढ़ शासन के सचिव सहकारिता डॉ. सी.आर. प्रन्नवा, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री रमेश कुमार शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के सहकारिता सचिव, पंजीयक और सहकारी समतनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।



कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार विभाग की बड़ी पहल, चार संस्थाओं के साथ हुआ एमओयू

नई दृष्टिविंदू / रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल शैक्षणिक योग्यता तक सीमित न रखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार-मुन्धुकी कौशल से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु एवं देव के नेतृत्व में एवं कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री गुरु बुधचवंत साहेब के मार्गदर्शन में

विभाग द्वारा प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू), तकनीकी शिक्षा में नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत तथा प्रशिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 के सम्पादन अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त



करने में सुविधा होगी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनो की कोर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी।

इसी प्रकार अंडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों का तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर

प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के व्यावहारिक विकास और रोजगार क्षमता में वृद्धि के लिए नौटो फाउंडेशन के सहयोग से सॉफ्ट स्किल, अंग्रेजी बसने कौशल, सांत्विकार की तैयारी एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष इस संस्था के माध्यम से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया था। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिला सफारी में विभिन्न ट्रेडों से संबंधित कौशल प्रशिक्षण के लिए भी संस्थाओं के साथ एमओयू की पहल की जा रही है।

करमा तिहार हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा व प्रकृति संरक्षण का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

कंवर समाज ने सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया अनुकरणीय उदाहरण



नई दृष्टिविंदू / रायपुर

करमा तिहार हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने के साथ प्रकृति के संरक्षण, सामाजिक एकता और सामूहिकता का संदेश देता है। बदलते समय के बीच कंवर समाज ने अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और रीति-रिवाजों को सहेजकर नई पीढ़ी के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहना ही किसी समाज की वास्तविक शक्ति है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज युवा प्रभाग महानगर इकाई द्वारा आयोजित भव्य करमा पर्व महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पारंपरिक विधि-विधान से युवा-अर्चना कर कार्याक्रम का शुभारंभ किया और करमा तिहार की खुशियां समाजजनों के साथ साझा कीं। उन्होंने भादो एकादशी व्रत एवं करमा तिहार की सभी समाजजनों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कंवर समाज के लिए कोरवा जिले के मड़वारानी में सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपए, राजधानी रायपुर के टाटाबंघ में सामाजिक भवन के लिए 25 लाख रुपए तथा कांकेर के ग्राम जेम्प्रा में सांस्कृतिक मंच के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राजधानी रायपुर में पतिबंध करमा महोत्सव के आयोजन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस भव्य आयोजन के लिए कंवर समाज युवा प्रभाग और सभी सामाजिक पदाधिकारियों की सराहना की।

प्रकृति और मानव जीवन के अटूट संबंध का उत्सव है करमा तिहार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करमा तिहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच अटूट संबंध का उत्सव है। इस पर्व में करमा डार की पूजा की जाती है। समाज के बेटे-बेटियां प्रजा और आस्था के साथ-साथ खेती-कृषि-विधि-विधान से करमा डार की पूजा-अर्चना करते हैं। प्रति जागरण में पारंपरिक करमा गीत और नृत्य उत्सव में उल्लास भरते हैं। अगले दिन करमा डार के विसर्जन के पश्चात

जनजातीय समाज का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सराजमान हैं। यह पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मियता के साथ कहा कि आज छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री भी आपके बीच का आपका अपना विष्णु पैसा है। हमारी सरकार जनजातीय समाज के प्रत्येक परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जमान) के माध्यम से विविध संघ से हजारों जनजातीय समूहों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को पक्का आवास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रकार धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुत गांवों के समग्र विकास को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल योगदान एवं बनाए नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ जनजातियों समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसके जीवन में वास्तविक बदलाव आए।

युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा, रोजगार और खेल पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय युवाओं सहित प्रदेश के सभी युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और खेल सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। बस्तर अंचल में लंबे समय से बंद पड़े स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जनजातीय युवाओं की सुविधा के लिए दिल्ली में प्रतिष्ठित ट्राइबल यूथ होस्टल की सीटों की संख्या बढ़ाकर 200 की गई है। इससे प्रदेश के अतिरिक्त युवाओं को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार मेले के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। राज्य की नई औद्योगिक नीति में अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि हमारे युवा केवल रोजगार प्राप्त करने वाले ही नहीं, बल्कि उच्चतम बनकर दूसरों की रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जनजातीय



अंचलों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सरकार का प्रयास है कि उन्हें उचित अवसर, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध हों।

किसानों के हित में सरकार ने पूरे किए महत्वपूर्ण वादे

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार बनने के बाद किसानों से किया गया दो वर्षों के लंबित धान बोनस का वादा पूरा करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जनजी, सुशासन दिवस पर प्रदेश के किसानों के खातों में 3,716 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से 3,100 रुपए प्रति किंवांटल की दर से प्रति एकड़ 21 किंवांटल धान खरीद रही है। किसानों की आर्थिक समृद्धि और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना सरकार का प्रमुख प्राथमिकताओं में है। सरकार का प्रयास है कि खेती लाभकारी बने और अन्यायता किसान के जीवन में सुखावाली आए।

रनावाल के परिवारों की आजीविका और सामाजिक गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रनावाल में रहने वाले परिवारों की आजीविका को मजबूत करने के लिए तेंदुपा संग्रहण पारिश्रमिक को 8 हजार रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। इससे प्रदेश के लाखों तेंदुपा संग्रहण परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेंदुपा संग्रहण कर्माई-बहनों के सम्मान और सुविधा को ध्यान में रखते हुए चरण पादुका योजना की भी पुनः प्रारंभ किया गया है। रनावाल के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और उन्हें विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है।

महतारी वंदन से महा माताओं-बहनों का आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना संवर्धित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अंतर्गत महिलाओं के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि सीधे अंतरित की जा रही है। यह राशि महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति, बचत और छोटे स्तर पर आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ करने में सहायक बन रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण पूरे परिवार और समाज को मजबूत करता है। महतारी वंदन योजना ने माताओं-बहनों के

आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी नई मजबूती दी है। मुख्यमंत्री ने पूरा किया परिवारों के पक्के घर के सपने को पूरा करना भी सरकार को प्रमुख प्राथमिकता है। सरकार गठन के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की मंजूरी देने का निर्णय लिया गया। आज प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 1,600 आवासों का निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार दीनदत्त उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के माध्यम से मात्र भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

अपनी जड़ों से जुड़कर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करमा तिहार जैसे पर्व हमारी सामाजिक एकता, सामूहिक चेना और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना से परिचित होने का अवसर मिलता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए शिक्षा, सामाजिक विकास, न्यायिक, पार्यावरण संरक्षण, रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ें। अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक छत्तीसगढ़ का लाभ उठाएं और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें।

अखिल भारतीय करमा समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का सदैव ध्यान करना चाहिए। पार्यावरण के साथ अनावश्यक डेडवुड्स प्राकृतिक संसुलन का कारण बनती हैं, इसलिए प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर पूरे राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष डॉ. नंद कुमार साय, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी, छत्तीसगढ़ राज्य चार विकास निगम के अध्यक्ष रामसेकर पैरवार, विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ हाइस्पीड बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, पूर्व कैबिनेट मंत्री ननको राव देव, प्रदेश कंवर समाज के अध्यक्ष हरवंश सिंह मिरी, कंवर समाज रायपुर महानगर के अध्यक्ष मनोहर साहू पैरवार सहित जनप्रतिनिधियों, समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

संपादकीय

कोई कितना भी बड़ा नेता हो
अराजकता नहीं फैलाना चाहिए

देश में लोकतंत्र है, देश में सविधान है, देश सविधान से चलता है। देश में कानून का राज है तो कोई भी नेता कितने भी बड़े परिवार का क्यों न हो, उसके घर से कितने ही लोग मंत्री, प्रधानमंत्री बन जाएं, उसे कानून के राज का मानना पड़ेगा, कानून के राज में कानून के राज को अपमान रखने के लिए जो भी प्रक्रिया तय की है, जिस प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है, उसे प्रक्रिया का पालन करना होगा कोई भी प्रक्रिया बनाई ही इसलिए जाती है कि अत्यवस्था पैदा न हो, अराजकता पैदा न हो। बड़े बड़े घर पर बैठे लोगों से मिलने की एक प्रक्रिया है देश में, किसी को भी बड़े घर पर बैठे लोगों से मिलना है तो उसे प्रक्रिया का पालन करना होगा। मरुवा को कांग्रेस सहित विपक्ष के नेताओं ने देश की राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा है।

यह तब प्रक्रिया है, राष्ट्रपति से मिलना है तो पहले बातना पड़ता है कि किसी मामले में मिलना चाहते हैं, कांग्रेस से पहले अनुभव घर वर अक्टूबर को बना, इस पर राष्ट्रपति भवन से पांच अक्टूबर को नाम मांगा गया कि मिलने कितने लोग आएंगे, कांग्रेस की तरफ से पांच अक्टूबर को नाम दिए गए और बताया गया कि 7, 8, 9 अक्टूबर को मिलने का समय माना। अब जब राष्ट्रपति भवन से बुलाया जाएगा तब कांग्रेस को विपक्ष के नेता राष्ट्रपति से मिल सकते हैं एसआरके के भूरे पर उनसे जो मांग करनी है, कर सकते हैं। कांग्रेस के रहलु गालु हो, प्रिंका गांधी हो कांग्रेस अक्षय खरगो ही या विपक्ष के और कोई भी नेता हो उनको राष्ट्रपति अपनी सुविधा से मिलने का समय दे सकती है। कोई भी बड़े नहीं कह सकता कि वह आज मिलना चाहता है तो राष्ट्रपति को आज ही मिलना होगा।

जैसे राष्ट्रपति का अपना प्रोटोकाल होता है, इसी तरह सवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का भी अपना प्रोटोकाल होता है। उनसे भी मिलने के लिए एक प्रक्रिया है और मिलने के लिए उन प्रक्रिया का पालन करना पड़ता है, वहां रहलु गांधी या प्रिंका गांधी हो, वह कहीं बैठकर यह कहें कि सीईसी ज्ञानेश कुमार से यह मिलना चाहते हैं, बात करना चाहते हैं या 3 यो सांसद मिलना, बात करना चाहते हैं तो वह उनसे मिलने आ जाये या मिलने के लिए बुला लेंगे। रसवैधानिक पदों पर बैठे हुए व्यक्ति को समय बहुत कमी होता है, उसके जेता का तब शेरदुल होना है, आज किससे मिलना है, आज क्या काम होता है, वह शेरदुल के हिस्से का काम करते हैं, मिलते हैं। कोई मांय निष्कलर उनसे मिलना चाहता है तो उनसे मिलने के लिए प्रक्रिया मिलते हैं, इस तरह सीईसी ज्ञानेश कुमार से कोई नहीं मिल सकता। वही कहते हैं कि रहलु गांधी आराधनाणी में बरना डेकार भी नहीं ज्ञानेश कुमार से नहीं मिल सके, ज्ञानेश कुमार ने उनको मिलने के लिए बुलाया नहीं।

देश में हर काम के लिए एक प्रक्रिया है, प्रक्रिया इसलिए है कि लोकतंत्र में प्रक्रिया चाहते हैं, कांग्रेस से पहले अनुभव घर वर अक्टूबर को बना, इस पर राष्ट्रपति भवन से पांच अक्टूबर को नाम दिए गए और बताया गया कि 7, 8, 9 अक्टूबर को मिलने का समय माना। अब जब राष्ट्रपति भवन से बुलाया जाएगा तब कांग्रेस को विपक्ष के नेता राष्ट्रपति से मिल सकते हैं एसआरके के भूरे पर उनसे जो मांग करनी है, कर सकते हैं। कांग्रेस के रहलु गालु हो, प्रिंका गांधी हो कांग्रेस अक्षय खरगो ही या विपक्ष के और कोई भी नेता हो उनको राष्ट्रपति अपनी सुविधा से मिलने का समय दे सकती है। कोई भी बड़े नहीं कह सकता कि वह आज मिलना चाहता है तो राष्ट्रपति को आज ही मिलना होगा।

देश में हर काम के लिए एक प्रक्रिया है, प्रक्रिया इसलिए है कि लोकतंत्र में प्रक्रिया चाहते हैं, कांग्रेस से पहले अनुभव घर वर अक्टूबर को बना, इस पर राष्ट्रपति भवन से पांच अक्टूबर को नाम दिए गए और बताया गया कि 7, 8, 9 अक्टूबर को मिलने का समय माना। अब जब राष्ट्रपति भवन से बुलाया जाएगा तब कांग्रेस को विपक्ष के नेता राष्ट्रपति से मिल सकते हैं एसआरके के भूरे पर उनसे जो मांग करनी है, कर सकते हैं। कांग्रेस के रहलु गालु हो, प्रिंका गांधी हो कांग्रेस अक्षय खरगो ही या विपक्ष के और कोई भी नेता हो उनको राष्ट्रपति अपनी सुविधा से मिलने का समय दे सकती है। कोई भी बड़े नहीं कह सकता कि वह आज मिलना चाहता है तो राष्ट्रपति को आज ही मिलना होगा।

देश में हर काम के लिए एक प्रक्रिया है, प्रक्रिया इसलिए है कि लोकतंत्र में प्रक्रिया चाहते हैं, कांग्रेस से पहले अनुभव घर वर अक्टूबर को बना, इस पर राष्ट्रपति भवन से पांच अक्टूबर को नाम दिए गए और बताया गया कि 7, 8, 9 अक्टूबर को मिलने का समय माना। अब जब राष्ट्रपति भवन से बुलाया जाएगा तब कांग्रेस को विपक्ष के नेता राष्ट्रपति से मिल सकते हैं एसआरके के भूरे पर उनसे जो मांग करनी है, कर सकते हैं। कांग्रेस के रहलु गालु हो, प्रिंका गांधी हो कांग्रेस अक्षय खरगो ही या विपक्ष के और कोई भी नेता हो उनको राष्ट्रपति अपनी सुविधा से मिलने का समय दे सकती है। कोई भी बड़े नहीं कह सकता कि वह आज मिलना चाहता है तो राष्ट्रपति को आज ही मिलना होगा।

विवाद युक्त नहीं संस्कार युक्त हों हमारे परिसर



प्रो संजय द्विवेदी

हमारे कुछ शिक्षा परिसर इन दिनों विवादों में हैं। ये विवाद कुछ प्रायोजित भी हैं, तो कुछ वास्तविक भी।

विचारधाराएं परिसरों को आक्रांत कर रही हैं और राजनीति भीयभीत। जैसी राजनीति रहे रही है, उससे लगता है कि ये परिसर देश का प्रतिपक्ष हैं। जबकि यह पूरा सच नहीं है। कुछ भुझी भर लोग भारतीय युवा और उसकी समझ को चुनौती नहीं दे सकते। देश का औसतन युवा देशभक्त और अपने विवेक पर भरोसा करने वाला है। उसे अपने देश की शक्ति और कमजोरियों का पता है। वह भावुक है, पर भावनात्मक आधार पर फैसले नहीं लेता। दुनिया की चमकीली प्रगति से चमत्कृत भी है, पर इसके पीछे छिपे अंधेरों को भी पहचानता है।

कई स्थानों से यह विमर्श सुनने में आता है कि शिक्षा परिसरों को राजनीति मुक्त कर देना चाहिए और विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान दें। उन्हीं राजनीति से क्या मलबच? जबकि यह सच एकगोणी है। देश के महत्त्वपूर्ण छात्र संगठन अभिलेखित विद्यार्थी परिषद का मानना है कि 'छात्र कक्षा का नहीं, आज का नागरिक है।' अतएव छात्र शक्ति को सही मार्गदर्शन देते हुए राष्ट्रहित में उसका योगदान सुनिश्चित करना जरूरी है। हम एक लोकात्मक समाज में रहते हैं, हमारे परिसर भी इसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। राजनीति, छात्रों का इलेमल कर अपने ओपे बैंक को मजबूत तो करना चाहती है, किंतु छात्रों के चुनाव अनेक राज्यों में प्रतिबंधित हैं। छात्रों से राजनीति और सत्ता को घबराहट होती है।



यहां तक कि जो राजनेता छात्रसंघों के माध्यम से राजनीति में आए, वे भी छात्रसंघों के प्रति उदार नहीं हैं। होना यह चाहिए कि छात्रसंघ विद्यार्थियों के सांस्कृतिक, वैचारिक और राजनीतिक रुझानों के विकास में सहायक बनें। ताकि छात्र नेतृत्व और उसकी गंभीरता को समझकर अपने व्यक्तिगत विकास कर सकें। छात्रसंघ और छात्र राजनीति कहीं न कहीं इस भूमिका से विरत हूय है, इसलिए देश के राजनेताओं व अन्य प्रशासकों को इनका गला दबाने का अवसर मिला। कहा जाता है कि इसके चलते परिसर में तनाव और हिंसाचार भी बढ़ता है। हम देखते हैं कि जब अनेक बुराइयों के बावजूद भी हम संसदीय राजनीति के खिलाफ नहीं हो जाते, बल्कि उसमें सुधार का ही प्रयास करते हैं। इसी तरह छात्रसंघों के रचनात्मक रुझानों को भूमिका बनाने के बजाए, उनका गला दबा देने का विचार लोकात्मक नहीं है। हमें देखना होगा कि छात्र संघातुण क्यों राजनीतिक दलों के हस्तक बन रहे हैं। सभी प्रकार के आंदोलनों की तरह छात्र आंदोलन भी मर रहे हैं। विचारधारा के आधार पर भेदजाति राजनीति कष्ट पंथ और जाति की गलियों में भटक जाती है, कहा नहीं जा सकता।

ऐसे समय में शिक्षकों, शिक्षार्थियों और परिसरों को जीवन के लक्ष्यों का आकांक्षा रखने वाले लोगों की विवेकमंदी बहुत बढ़ जाती है। सत्ता- राजनीति तो चाहती ही है कि

परिसरों में फेयरवेल पार्टियां हों, फ्रेंड्स पार्टियां हों, मनोरंजन प्रथान आयोजन हों। किंतु ऐसे आयोजन जिससे बहस का प्रारंभ हो, नए विचार सुजित हों—उन्हें फिर जाने से परिसरों के अधिपति घबराते हैं। एक लोकतंत्र में होते हुए हमें असहमतिपूर्ण के लिए स्थान बनाना होगा। विमर्शों को जगह देनी होगी और असुविधाजनक सवालों के लिए भी तैयार रहना होगा। एक लोकतंत्र का यही सौंदर्य है और यही उसकी ताकत भी है। विद्यार्थियों को इस तरह से तैयार करना कि वे भावी चुनौतियों से टकराने का साहस अर्जित कर सकें, जरूरी है।

यहां यह कहना आवश्यक है कि यह सारा कुछ अपने तिरंगे और देश को मजबूत करने के लिए होगा। देश को तोड़ने और खंडित करने वाले विचारों के लिए, यहां जगह नहीं होगी चाहिए—अपने ऐसा होगा तो परिसर आतंक की जगह बनेंगे। राज्य की ताकत को हम जानते हैं, इसलिए परिसर विमर्शों का केन्द्र तो बनें, किंतु देशदोषकों की पहाड़ागाने नहीं। अपने शोध-अनुसंधान और शिक्षण-प्रशिक्षण से हमें इस देश को बनाना है, बर्बाद नहीं करना है, यह सच हमेशा अपने में रहनी चाहिए। कोई भी विवेकविरालय अपने अत्याचारों और विद्यार्थियों के अवयव से ही बड़ा बनता है। हमें हमारे परिसरों को जीवंत बनाने के लिए इन्हें दो पर ध्यान देना होगा। ऊर्जावान, नए विचारों से भरे हुए अत्याचार भी अपने विद्यार्थियों को

शारदीय नवरात्र : शक्ति, साधना और सामाजिक बदलाव का पर्व

सुनील कुमार मल्ला

शारदीय नवरात्र 2026 ईस वर्ष 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक मनाए जाएंगे। पाठकों को बताता हूँ कि प्रतिवदा यानी पहला नवरात्र 11 अक्टूबर, रविवार, अर्थात् 18 अक्टूबर, रविवार, महानवमी 20 अक्टूबर, सोमवार तथा विजयादशमी (दशहरा) 20 अक्टूबर, मंगलवार को होगी। शारदीय नवरात्र में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की नौ दिनों का पूजा-अर्चना की जाती है। यह पर्व शक्ति, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रमुख पर्व माना जाता है।

साल में चार बार आते हैं नवरात्र

यहां यह भी बताता हूँ कि साल में चार बार नवरात्र आते हैं। दो मुख्य और दो गुप्त। सबसे पहले चैत्र नवरात्र आते हैं, जो मार्च या अप्रैल में पड़ते हैं। इसी समय हिंदू नवग्रह की भी शुभारंभ माना जाता है। इसके बाद शारदीय नवरात्र आते हैं, जो सितंबर या अक्टूबर में पड़ते हैं। इन्हें सबसे प्रमुख नवरात्र माना जाता है और इनके सम्मान के बाद दशहरा मनाया जाता है। और इनके दो गुप्त नवरात्र आते हैं—एक मार्ग मास में जनवरी-फरवरी के आसपास और दूसरा आषाढ़ मास में जून-जुलाई के आसपास। गुप्त

नवरात्र विशेष पूजा, मंत्र-जाप और साधना करने वालों के लिए विशेष महत्व रखते हैं।

आत्मशुद्धि से सामाजिक बदलाव तक

शारदीय नवरात्र केवल देवी-पूजा और उपवास का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, नारी सम्मान, संयम और सामाजिक जागरण का अवसर भी है। नौ दिनों तक माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना हमें यह स्मरण करती है कि जीवन में शक्ति का अभाव केवल मासार्थ नहीं है, बल्कि सत्य, करुणा, धैर्य और सदाचार भी हैं। नवरात्र मनुष्य को अपने भीतर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। [आध्यात्मिक दृष्टि से यह पर्व असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और काम, क्रोध, लोभ तथा अहंकार जैसी आंतरिक बुराइयों पर विजय का संदेश देता है। नौ दिनों के व्रत, साधना और संयम से मानसिक शुद्धि तथा आत्म-निराशा का विकास होता है और मानव चेतना आध्यात्मिक ऊर्जा की ओर बढ़ती है। सरल शब्दों में कहें तो नवरात्र अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उपवास और साधना का उद्देश्य केवल खान-



पान पर नियंत्रण रखना नहीं, बल्कि मन और विचारों पर नियंत्रण स्थापित करना भी है। क्रोध, अहंकार, लोभ, ईर्ष्या और द्वेष जैसी कीमजोरियों को त्यागकर धैर्य, प्रेम और विवेक को विकसित करना ही नवरात्र का वास्तविक साधना है। देवी के नौ स्वरूप जीवन के अलग-अलग गुणों और शक्तियों के प्रतीक माने जाते हैं।

नारी सम्मान और सामाजिक समरसता का संदेश

सामाजिक स्तर पर नवरात्र नारी शक्ति, नारी सम्मान और महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है। सामूहिक पूजा, गरवा और पंचंगलों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता के संदेश का प्रसार होता है। वहीं देवी के नौ स्वरूप हमें प्रकृति से संरक्षण का संदेश भी देते हैं। बहरहाल यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि नवरात्र का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश नारी सम्मान और नारी शक्ति से जुड़ा है। जिस समाज में स्त्री को शक्ति

का स्वरूप मानकर उसकी पूजा की जाती है, वहां उसके सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा और सामान्य अधिकार भी ही व्यवहार में स्थान मिलना चाहिए। कन्या पूजन की सार्वजनिक तभी है, जब बेटियों को जन्म से लेकर शिक्षा, रोजगार और निर्णय लेने तक समान अवसर प्राप्त हो। देवी की पूजा के साथ बेटियों का सम्मान ही नवरात्र की चरमकी भावना है। पाठक जानते हैं कि आज हमारा समाज हिंसा, नशे, तनाव, भेदभाव, पर्यावरण प्रदूषण और सामाजिक अविरोधनाशीलता जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे समय में नवरात्र हमें केवल पूजा-पूजा तक सीमित रहने के बजाय अपने भीतर और अपने आसपास सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी कमजोर का सहारा बनेंगे, महिलाओं और बच्चों का सम्मान करेंगे, प्रकृति को बर्बाद करने तथा समाज में प्रेम, भाईचारा और सद्भाव को बढ़ावा देंगे।

अंत में वही कहना कि नवरात्र का संदेश केवल नौ दिनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। माँ दुर्गा की आराधना तभी सार्थक है, जब उनके सहारा को अपने कर्मों में, तरुणी को अपने व्यवहार में और शक्ति को समाज के कल्याण में उतारा जाए। वही नवरात्र की वास्तविक आध्यात्मिक साधना और सामाजिक सार्थकता है।

सेवा संकल्प : बिहान से बदल रही महिलाओं की तस्वीर, हुनर और होसले से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

सुनील निपाटी, सहायक संचालक, विशाल कुमार जायसवाल, सहायक सूचना अधिकारी अभिषेक

कभी रोजगार के साधनों की कमी और आर्थिक निर्भरता ग्रामीण महिलाओं के आगे बढ़ने की राह में बड़ी चुनौती थी। आज वही महिलाएं अपने हुनर, मेहनत और होसले से स्वरोजगार की नई राह बना रही हैं। कई अपने हाथों के हुनर से खस की आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर रही हैं, तो कोई ऑटो रिक्शा चलाने के साथ किराना दुकान संचालन पर परिवार की आर्थिक ताकत बन रही है। ऐसी सहायक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन हाविहानह से जुड़ी सरगुजा की महिलाओं की ये कहानियां आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते ग्रामीण ज़िंदगी का तस्वीर पेश करती हैं।

सेवा संकल्प अभियान के बीच सामने आई लखनपुर विकासखंड के ग्राम लटोरी की स्व-सहायता समूह की महिलाओं और बालीन विकासखंड के ग्राम तागोरी की श्रीमती सूरजपति की सफलता की कहानी बताती है। कि जब महिलाओं के हुनर को प्रशिक्षण, आर्थिक सहयोग और अपने बड़ने का अवसर मिला है, तो वे अपनी मेहनत से परिवार की परिस्थितियां बदलने के साथ समाज में अपनी अलग पहचान भी बना सकती हैं। एक और लटोरी की 20 महिलाएं हस्तशिल्प के अपने हुनर को बाजार से जोड़कर आजीविका की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर सूरजपति ने पहले 60 हजार रुपये के ऋण को अपनी मेहनत से तो व्यवसाय में बदल दिया है। आज ऑटो रिक्शा और किराना दुकान से होने वाली आय ने उन्हें हालखर्च दिवसी की पहचान दिलाई है।

हुनर को मिला प्रशिक्षण, हाथों को मिला रोजगार

लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लटोरी की ग्रामस्थानी और स्वा-सहायता समूह से जुड़ी 20 महिलाओं ने दिखाया है कि हाथों के हुनर को सही प्रशिक्षण और अवसर मिले तो वही हुनर आजीविका का मजबूत आधार बन सकता है। रहलु गांधी ग्रामीण आजीविका मिशन के सहन इन महिलाओं को हस्तशिल्प के माध्यम से परिवार प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं ने



खस से आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार करना शुरू किया। उनके हाथों से कलात्मक डलिया, टोरीन, सजावटी प्लेट्स, पूजा की ट्रे और फ्रेट बाकेट जैसे विभिन्न उत्पाद आकार ले रहे हैं। स्थानीय स्तर पर तैयार ये उत्पाद पर्यावरण अनुकूल होने के साथ महिलाओं की रचनात्मकता और कौशल को पहचान भी बन रहे हैं। बाजार में इन उत्पादों की मांग में महिलाओं ने अपने हुनर को आजीविका में बदलने का अवसर दिया है। उनके अपने हाथों से तैयार उत्पाद घर की चौखट से निकलकर बाजार तक पहुंच रहे हैं और परिवार की आय में योगदान दे रहे हैं।

पहले रोजगार नहीं था, अब अपना काम है

रेखा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कीलया राजावड़े के लिए यह बदलाव विशेष मायने रखता है। उनके अनुभव पहले उनके पास रोजगार का कोई साधन नहीं था। बिहान से हुनर और हस्तशिल्प का प्रशिक्षण मिलने के बाद आज उनके पास अपना काम और आय अर्जन करने का अवसर है। कीलया और समूह की अन्य महिलाओं की आकांक्षाएं अब केवल उत्पाद बनाने तक सीमित नहीं हैं। वे अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनका सपना है कि उनके हाथों से तैयार उत्पादों की

पहचान गांव से निकलकर बड़े बाजारों तक पहुंचे और उनके गांव का नाम भी रोशन हो। उनकी यह आकांक्षा बताती है कि स्व-सहायता समूह महिलाओं को केवल आर्थिक गतिविधियों से नहीं जोड़ते, बल्कि उन्हें बड़े सपने देखने और उन सपनों को अपनी मेहनत से पूरा करने का आत्मविश्वास भी देते हैं।

सूरजपति ने ऋण को बनाया आत्मनिर्भरता की पूंजी

बालीन विकासखंड के ग्राम तागोरी की श्रीमती सूरजपति की कहानी बिहान से मिले अवसर की मेहनत के बल पर सफलता में बदलने का उदाहरण है। कभी आर्थिक तंगी और आय के स्थानीय साधन के अभाव से सूरजपति वर्ष 2020 में बिहान के स्व-सहायता समूह से जुड़ी। समूह से उन्हें मार्गदर्शन के साथ आर्थिक सहयोग का रास्ता मिला। उन्होंने 60 हजार रुपये का ऋण लिया और इसे केवल फोर्लु पूंजी में उपयोग करने के बजाय अपने परिवार को चुनौती बनाया। सूरजपति ने ऑटो रिक्शा संचालन शुरू किया और साथ ही किराना दुकान में व्यापक की। एक ही आरा से फिर निर्भर रहने के बजाय उन्होंने दो अलग-अलग आजीविका गतिविधियों को अपनाया। धीरे-धीरे मेहनत रंग लाई और दोनों व्यवसायों ने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन गए।

समूह से मिला सार्वजनिक प्रशिक्षण से निखरा हुनर और आर्थिक सहयोग से खुली स्वरोजगार की राह



500 रुपये प्रतिदिन की आय, बनी लखपति देवी

आज सूरजपति को किराना दुकान से लगभग 200 रुपये प्रतिदिन और ऑटो रिक्शा संचालन से लगभग 300 रुपये प्रतिदिन की आय होती है। दोनों व्यवसायों से उनकी कुल दैनिक आय लगभग 500 रुपये है और वार्षिक आय लगभग 1.80 लाख रुपये तक पहुंच गई है। कभी आर्थिक तंगी से जूझते वाली सूरजपति आज लखपति देवी के रूप में अपनी नई पहचान बना चुकी हैं। यह उपलब्धि उनके लिए केवल आय का आंकड़ा नहीं है। आज वे परिवार के पालन-पोषण में आर्थिक रूप से मजबूत भागीदारी निभा रही हैं और अपने भविष्य के संबंध में स्वयं निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी हासिल कर चुकी हैं। 60 हजार रुपये के ऋण से शुरू हुआ उनका सफर बताता है कि आर्थिक संकटों को जब सही योजना, मेहनत और निरंतर प्रयास से जोड़ा जाता है, तो छोटी शुरुआत भी आत्मनिर्भरता की बड़ी कहानी बन सकती है।

एक ओर हस्तशिल्प, एक ओर ऑटो और किराना-मंजिल एक, आत्मनिर्भरता

लटोरी की 20 महिलाओं और सूरजपति की आजीविका के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन

आधार बन गए हैं। दोनों उदाहरण बताते हैं कि रोजगार और स्वरोजगार के अवसर महिलाओं को आर्थिक रूप से संरक्षक बनें के साथ उनमें अपने फैसले स्वयं लेने का भरोसा भी पैदा करते हैं।

बिहान-समूह से स्वरोजगार और स्वरोजगार से सम्मान तक

स्व-सहायता समूहों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामूहिकता है। महिलाएं एक साथ जुड़ती हैं, बचत करती हैं, एक-दूसरे से सीखती हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अपनी आजीविका को आगे बढ़ाती हैं। यह सामूहिकता कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें आगे बढ़ने का भरोसा देती है। बिहान के माध्यम से सरगुजा में सूरजपति और सूरजपति की कहानी जनकल्याण से स्वावलंबन तक पहुंच बदलाव की तस्वीर है। एक तरफ 20 महिलाओं के हाथों का हुनर आज उनके लिए आजीविका की नई संभावना बना है, तो दूसरी तरफ सरगुजा में 60 हजार रुपये के ऋण को केवल रोजगार नहीं आया है, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी अलग पहचान बनाने का आत्मविश्वास भी आया है।

सेवा से स्वावलंबन तक, महिलाएं लिख रही बदलाव की नई कहानी

सेवा संकल्प अभियान के बीच लटोरी की महिलाओं और सूरजपति की कहानी जनकल्याण से स्वावलंबन तक पहुंच बदलाव की तस्वीर है। एक तरफ 20 महिलाओं के हाथों का हुनर आज उनके लिए आजीविका की नई संभावना बना है, तो दूसरी तरफ सरगुजा में 60 हजार रुपये के ऋण को केवल रोजगार नहीं आया है, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी अलग पहचान बनाने का आत्मविश्वास भी आया है।

वै कहानियां बताती हैं कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक सहारा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं को पैसा उपलब्ध देना है जिससे वे अपने हुनर और मेहनत के बल पर अपनी आजीविका खड़ी कर सकें। बिहान से सरगुजा की ग्रामीण महिलाओं के जीवन में यह नई खुशदिलवाई दे रही है। सूरजपति समूह से साथ मिल रही है, प्रशिक्षण से हुनर निखर रहा है, आर्थिक सहयोग से स्वरोजगार खड़ा हो रहा है और मेहनत से महिलाएं आत्मनिर्भरता तथा सम्मान की नई पहचान बना रही हैं।



आत्मविश्वास को दर्शाता है गैरजरूरी चीजों को मना करना

ज्यादातर लोग मानते हैं कि अगर वे ऑफिस में किसी काम को 'ना' कहेंगे, तो उनकी इमेज खराब होगी। इस डर से लोग उन कामों को भी मना नहीं करते, जो उनकी जीब प्रोफाइल का हिस्सा नहीं होते। मगर ठोस कारण के साथ गैरजरूरी चीजों को मना करना आपके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

प्रभाव को आँकें

जब भी आपके मन में किसी काम को 'ना' कहने की बात आए, तो सबसे पहले खुद से पूछें कि आपके मना करने से सबसे बुरा प्रभाव क्या होगा फिर अपने वर्कलोड को देखते हुए ही कोई निर्णय लें। पहले सुनें अगर आप अपने बॉस की किसी बात से असहमत हैं, तो अपना नजरिया रखने से पहले उनकी बात पूरी सुनें और सोचें कि आपके दीर्घवर्षीय करियर प्लान में इससे कुछ फायदा होगा या नहीं। अगर नहीं, तो उनके सामने सम्मान पूर्वक अपनी बात रखें। अगर आपने उनके आइडिया को ध्यान में रखते हुए अपनी बात कही, तो वे आपकी बात जरूर सुनेंगे।

गलतफहमियों से बचें

आपको जो भी टास्क दिया जा रहा है, उससे आपके प्रोजेक्ट पर क्या असर पड़ेगा, अपने सीनियर्स को यह समझाने की कोशिश करें और ही से, तो अपने फैक्ट्स शेयर करें। इससे गलतफहमियां नहीं होंगी और आपको अतिरिक्त काम के दबाव से भी छुटकारा मिलेगा।

भारी पड़ती आदत

अक्सर लोग नई जीब में हर काम को अपने हाथ में ले लेते हैं, ताकि अपने बॉस को खुश कर सकें। मगर उनकी यही आदत बाद में उन पर भारी पड़ जाती है। इसलिए शुरू से ही एक सीमा तय करें, ताकि कोई भी सीनियर आपका फायदा न उठा सके।

टाइमिंग देखें

किसी भी काम के लिए हमारी भरने या उसे मना करने की टाइमिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे में अगर ऑफिस में आपकी नकारात्मक इमेज बनाई जा रही है, तो किसी भी काम को मना करने से बचें। ऐसे वक़्त में ज्यादा से ज्यादा परफॉर्म करने की कोशिश करें।



समाज में रहने वाले लोगों से सीधा जुड़ा विषय है समाजशास्त्र

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग-अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जनसंपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों में समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधे समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि अत्यंत रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

अवसरों के अंबार

समाज शास्त्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। शिक्षा और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के

अलावा आप प्रशासनिक सेवा, मीडिया और कारपोरेट घरानों में भी अपने लिए नौकरी तलाश सकते हैं। सोशल साइंस के विभिन्न विषयों में जीब अवसर हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बढ़े हैं। एमए के बाद प्रशासनिक सेवा और रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रवेश पाने के लिए सोशल साइंस सबसे बेहतर विषय है। मीडिया में भी इस विषय के जानकारों की काफी मांग है क्योंकि वे समाज और उससे जुड़ी घटनाओं को दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और इन विषयों पर अपना पक्ष रखते हुए दर्शकों और पाठकों को उसके अनुभव पहलुओं से भी रू-ब-रू करवा पाते हैं। समाजशास्त्र के छात्र एनजीओ के साथ भी काम कर सकते हैं। साथ ही वे समाज से जुड़े अन्य विषयों जैसे पर्यावरण, लिंगभेद आदि पर भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में भी काफी अच्छे अवसर हैं।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में सातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पॉलिटिकल साइंस,

इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

वैतनमान

समाजशास्त्र के क्षेत्र में वैतन इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने सरकारी क्षेत्र में ज्वाइन किया है या निजी क्षेत्र में। आप अपने देश में ही रोजगार पर लगे हैं या फिर विदेश में किसी एनजीओ के साथ कार्यरत हैं। इस फील्ड में आरंभिक वैतन लगभग 15000 से 20000 हजार तक है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वैतन बढ़ता जाता है।

विभिन्न कोर्सेज

- अल्ताइड सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
- इकोनॉमिक सोशोलॉजी
- पॉलिटिकल सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास करना।
- सामाजिक विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास करना।

विदेशों में भी अवसर

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी



समाजशास्त्र समाज में रहने

वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की काफी मांग है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला (हिप्र)
- गवर्नमेंट कालेज धर्मशाला (हिप्र)
- कुशक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुशक्षेत्र
- पुनाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
- बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भीमाल
- देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर
- साधारणलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी नहीं कि आप बार-बार जॉब बदलें



पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने करियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सकें। करियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊँचाइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन करियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

टीम में काम करना

करियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने करियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनेलटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपकी सजग रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है।

हालांकि करियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने करियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती है।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा करियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहे कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं हैं तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते,

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने करियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए।

जिससे आपको अपने करियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉप करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बातें हैं जो आपके करियर को प्रभावित कर सकती हैं। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फ्लेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाइरो पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके करियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।





उज्ज्वल निकम का रोल निभाने पर बोले राजकुमार राव

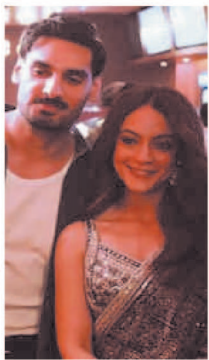
अभिनेता राजकुमार राव और वामिका गब्बी आगामी फिल्म 'प्रहार : द अनटॉल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में नजर आएंगे। दोनों कलाकारों सरकारी वकील उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव) और पत्नी ज्योति निकम (वामिका गब्बी) का किरदार निभाने को लेकर अपनी शुरुआती घबराहट के बारे में बताया। दोनों कलाकार उज्ज्वल निकम के साथ 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में पहुंचे। इस दौरान शो के होस्ट और बॉलीवुड मेगास्टार अभिताभ बच्चन ने असल जिंदगी के किरदारों को पर्दे पर निभाने की मुश्किलों का जिक्र किया। राजकुमार ने बताया कि जब निर्देशक अदिनाश अरुण ने उन्हें उज्ज्वल निकम के रोल के लिए संपर्क किया था, तो वे शुरू में काफी नर्वस थे, खासकर उम्र, शारीरिक बनावट और आवाज में अंतर की वजह से। अभिनेता राजकुमार ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, 'सर, जब फिल्म के डायरेक्टर ने बताया कि ये फिल्म बन रही है, नहीं तो एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा अपने कम्पर्ट जोन में ही रहेंगे।'

राजकुमार ने बताया कि उन्होंने उज्ज्वल निकम के हावभाव और आवाज को समझने के लिए घंटों तक उनके वीडियो देखे। इस किरदार के लिए उन्होंने अपना वजन भी बढ़ाया ताकि वे सरकारी वकील जैसे दिख सकें। उन्होंने कहा, 'तो मैंने हमारे निर्देशक अदिनाश अरुण से कहा कि फिल्म करते हैं, पर मैं उज्ज्वल जी से नहीं मिल पाया क्योंकि वो काफी बिजी रहते हैं, पर मैंने यूट्यूब पर घंटों-घंटों तक उनके वीडियो देखे। उज्ज्वल जी की आवाज को पकड़ना बहुत मुश्किल था और फिर मैंने शारीरिक बनावट के लिए वजन बढ़ाया।' वहीं वामिका गब्बी ने बताया कि वह भी ज्योति निकम का किरदार निभाने से पहले हिचकिचा रही थी। उन्होंने कहा, 'सर, इनकी तरह मैं भी डर गई थी और मैंने तो पहले फिल्म के लिए मना कर दिया था, क्योंकि एक तो मुझे 50 साल की महिला का किरदार निभाना था और मेरी तो अभी तक शादी भी नहीं हुई और हां तो 22-23 साल के बच्चे हैं। हालांकि एफ अभिनेता के तौर पर कम्पर्ट जोन से बाहर निकलना जरूरी है। यह सोचकर मैंने यह चुनौती स्वीकार करने का फैसला किया।' उन्होंने कहा, 'जिस चीज से डर लगे वो करना चाहिए और मैंने भी सोचा कि मैं भी देख लूं कि कितने पानी मैं हूं। पर ज्योति मैं इनकी प्यारी हैं कि बाद में मुझे एहसास हुआ कि मैं कितने मजबूत इसान का किरदार निभा रही हूं।'



...फिर साथ नजर आएगी अहान शेड्डी और आन्या सिंह की जोड़ी

अहान शेड्डी और आन्या सिंह एक बार फिर परदे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ काम किया था। अब उनकी जोड़ी एक विस्फोटक अलग तरह की फिल्म में दिखाई देगी। फिल्मकार विक्रम भट्ट अपनी चर्चित डरावनी फिल्म सीरीज '1920' की अगली कड़ी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम '1920: कोल्ड विंटर' बताया जा रहा है। फिल्म में अहान शेड्डी के साथ आन्या भी नजर आएंगी। आन्या के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि वह पहली बार डरावनी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वहीं अहान शेड्डी भी पहली बार किसी अलौकिक डरावनी फिल्म में काम करते दिखाई देंगे। ऐसे में दोनों कलाकारों के लिए यह फिल्म उनके अब तक के काम से काफी अलग होने वाली है। '1920: कोल्ड विंटर' को विक्रम भट्ट की '1920' सीरीज की छठी फिल्म बताया जा रहा है।



फिल्म 'सोहला' को प्रेजेंट कर रही सोनाली बेंद्रे किया रिलीज की तारीख का एलान

सोनाली बेंद्रे लंबे अरसे के बाद 2013 में फिल्मों में वापस लौटी थीं। इसके बाद से वह फिल्मों और सीरीज में काम करती रही हैं। अब वह अपकमिंग फिल्म 'सोहला' से बातेर प्रेजेंट कर चुकी हैं। यह फिल्म परिवार, सपनों और उन फैसलों के बारे में है, जो हमारी जिंदगी को आकार देते हैं। इसकी कहानी 13 साल की जोशीले लड़के 'परधा' के ईर्ष्या-मिद घूमती है।

वया है 'सोहला' का मतलब?

फिल्म का नाम 'सोहला' है। इसका मतलब है जश्न। यह एक ऐसी रस्म है जो किसी लड़के के बड़े होने के सम्फर में बहुत अहमियत रखती है। यह रस्म परिवार और करीबी लोगों के साथ मनाई जाती है और इसमें लड़का पहली बार अपने पिता की चपल पहनाता है। यह काम उसके बचपन से जानकी की ओर बढ़ने का प्रतीक है।

परधा के लिए, यह रस्म एक खास मौका है, जिसका उसे बेसब्री से इंतजार करता है। इस मौके पर नए कपड़े, अलौकिक, मिठाइयां, हसी-मजाक और परिवार के साथ गांव के मंदिर जाने का मौका मिलता है। पहली बार अपने पिता की चपल पहनना उसके जीवन का एक अहम पल होता है। हालांकि, उसके तैयार होने से पहले ही हालात कुछ ऐसे हो जाते हैं कि उसे कुछ ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जो आगे की कहानी तय करते हैं।



'सोहला' की प्रेजेंट कर देने के बारे में सोनाली बेंद्रे ने कहा, 'यह कोई ऐसी फिल्म नहीं है जिसे मैंने देखा और भूल गई। यह एक ऐसी फिल्म है जो मेरे साथ वैसे ही जुड़ी रही, जैसे कोई किताब जो चुपचाप आपको बदल देती है, आपके साथ रहती है। मैं 'सोहला' को एक अभिनेत्री के तौर पर प्रेजेंट नहीं कर रही हूं। मैं इसे एक ऐसी ईशान के तौर पर प्रेजेंट कर रही हूं, जो इस फिल्म और सेकत की बनाई कहानी में यकीन रखती है।'

फिल्म के बारे में जानकारी

इस फिल्म के निर्देशक सैकत बागवान हैं। इसे रोज ऑडियो विजुअल्स के बैनर तले गोल्डी बहल ने प्रोड्यूस किया है। कैरीऑन फिल्म्स के बैनर तले सचिन श्रीवास्तव, रत्ना श्रीवास्तव और कविता बागवान भी इसके प्रोड्यूसर हैं। इसका साउंडट्रैक युनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप ने तैयार किया है। यह 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका ट्रेलर 29 सितंबर को जारी किया जाएगा।



द रॉयल्स: सीजन 2 में दिखेगा ईशान खट्टर-सिनी शेड्डी-गुरफतेह के बीच लव ट्राएंगल!

पहले सीजन को दर्शकों से अच्छा रिसर्पोन्स मिलने के बाद अब 'द रॉयल्स' के दूसरे सीजन को लेकर फैंस के बीच भी काफी एक्साइटमेंट है। इस बार सीरीज में कहानी के साथ-साथ कास्ट में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ईशान

सीरीज में ईशान खट्टर एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं मिस इंडिया 2022 की विनर सिनी शेड्डी की सीरीज में नई एंट्री होने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिनी इस सीजन में फीमेल लीड का किरदार निभा सकती हैं। वह पहले सीजन में ईशान के साथ नजर आई थीं। भूमि पेडनेकर की जगह लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 'द रॉयल्स' सीजन 2 में ईशान खट्टर, सिनी शेड्डी और गुरफतेह पौरजादा के बीच लव ट्राएंगल देखने को मिल सकता है। सीरीज की शूटिंग इस हफ्ते उदयपुर में शुरू होने की

बात कही जा रही है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि सिनी शेड्डी को ईशान के अपोजिट फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। सिनी को इस रोल के लिए कई दूसरी अभिनेत्रियों के साथ विचार करने के बाद चुना गया है।

कई अभिनेत्रियों के नाम पर हुआ था विचार

रिपोर्ट के मुताबिक, सिनी शेड्डी ने इस रोल के लिए राधिका मदान, अलया एफ और निताशी गोयल समेत कई अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ा। सिनी ने इस साल की शुरुआत में करमीर में धर्मा प्रोडक्शंस की एक फिल्म की शूटिंग भी पूरी की है। सिनी शेड्डी को इससे पहले साजिद नाडियावाला, बालाजी टेलीफिल्म्स और एक्सलेस प्रोडक्शंस जैसे बड़े प्रोड्यूसर हाउस से भी ऑफर मिलने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, उन्होंने 'द रॉयल्स' से पहले धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म पर काम करना चुना।

क्या सलमान खान के रियलिटी शो में आएंगे करण वाही? वाइल्डकार्ड एंट्री पर तोड़ी चुप्पी

रियलिटी शो बिग बॉस का 20वां सीजन इन दिनों चल रहा है। सलमान खान बातेर होस्ट कमान संभाल रहे हैं। इस बीच, एक्टर करण वाही के 'बिग बॉस 20' में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे इस रियलिटी शो में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री कर सकते हैं। इसे लेकर करण वाही ने चुप्पी तोड़ी है।

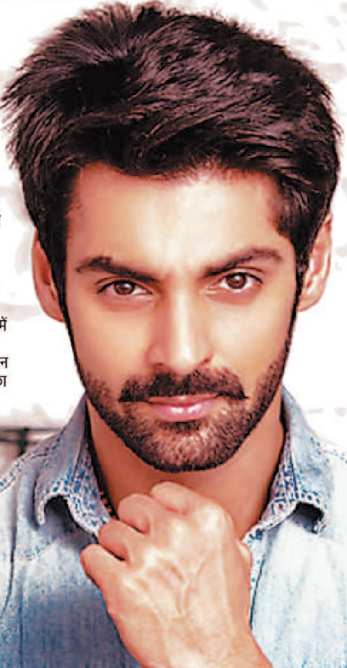
अफवाहों को किया खारिज

'बिग बॉस 20' में करण वाही की एंट्री की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। इन अफवाहों पर अब खुद करण ने विराम लगा दिया है। फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान, करण वाही ने इन अटकलों पर बात की और साफ किया कि उनका पहले का जिक्र असल में उनके पर्सदीदा काई गेम ऊनो के बारे में था, न कि रियलिटी शो में उनके शामिल होने का कोई संकेत था। बिग बॉस 20 में शामिल होने की अटकलें पर प्रतिक्रिया देते हुए वाही ने कहा, 'मैं ऊनो की बात कर रहा था, जो मेरा पर्सदीदा काई है। आप लोगों को भी चिल नहीं है लाइफ में। हर चीज का कोई न कोई दूसरा मतलब निकालना होता है। मैं बिग बॉस में आ रहा हूँ... कम से कम इस साल तो नहीं।' बता दें कि अभिनेता की यह प्रतिक्रिया उन अफवाहों के बीच आई है कि वे 'बिग बॉस 20' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर जा सकते हैं। कुछ दर्शकों के बीच इन अफवाहों

को इसलिए भी हवा मिली, क्योंकि उदित सिंह, जो कथित तौर पर उनकी एक्स-गॉल्डेंड रही हैं, अभी शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं।

उदित ने करण वाही पर साक्षी चुप्पी?

हालांकि, करण वाही ने अभी तक शो में उदित के शामिल होने के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन उदित को घर के अंदर अपने पुराने रिश्ते के बारे में बात करते हुए भावुक होते देखा गया। उदित को साथी कंटेस्टेंट काजी तोंकीर, माही विज और अमन गांधी से बात करते हुए देखा गया। उन्होंने करण का नाम तो नहीं लिया, लेकिन कहा कि घर में उनकी मौजूदगी से उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि बिग बॉस 20 के वीकएंड का वार एपिसोड में आज 'दुश्मन 3' का प्रमोशन करने अजय देवगन और जयदीप अहवाल पहुंचेंगे।



द पैराडाइज में खलनायक बने राघव जुयाल इमरान हाशमी से बॉबी देओल तक विलेन बनकर छाए

बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री का बहुत पहले से नाता रहा है। साउथ के कई कलाकारों ने बॉलीवुड में काम किया है। वहीं बॉलीवुड के कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने साउथ इंडस्ट्री से अपने अभिनय की शुरुआत की है। साउथ के कई निर्देशकों ने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। साउथ की अपकमिंग फिल्म 'द पैराडाइज' आज सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें बॉलीवुड कलाकार राघव जुयाल अद्वैत कर रहे नजर आएंगे। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि वह कौन से कलाकार हैं, जिन्होंने हाल ही में साउथ की फिल्मों में अभिनय किया है।

राघव जुयाल

राघव जुयाल ने साल 2014 में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'सोनाली केबल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हाल ही में वह फिल्म 'भाई तेरा रस्ता' में नजर आए। अब वह साउथ की फिल्म 'द पैराडाइज' का हिस्सा होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इस फिल्म में मुख्य खलनायक विक्रम मालिक का खूंखार किरदार

निभाने वाले हैं। नानी की अद्वैत वाली यह फिल्म 24 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली है।

जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ को बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में गिना जाता है। उन्होंने साल 1983 में फिल्म 'हीरो' से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में कदम रखा। वह साउथ की फिल्मों में विलेन के किरदार में नजर आए। उन्होंने 'जेल्स' (2023) में खलनायक वर्मन का किरदार निभाया। वहीं 'साक्षी' (2019) में वह खलनायक रॉय बनकर सामने आए।

बॉबी देओल

बॉबी देओल बॉलीवुड फिल्मों के बड़े अभिनेता हैं। वह हिजय की फिल्म 'जन नायम' (2026) में विलेन महादेव के किरदार में नजर आएंगे। इससे पहले वह नवंबर 2024 में रिलीज हुई



सूर्या की फिल्म 'कंगूवा' में भी विलेन के रोल में नजर आए थे। इसमें उन्होंने अधीरन का किरदार निभाया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छे प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

संजय दत्त

अभिनेता संजय ने बॉलीवुड में फिल्म 'रॉकी' (1981) से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह कई बड़ी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने साउथ में कई फिल्मों में अभिनय किया है। शश की अद्वैत वाली फिल्म 'केजीएफ: वॉटर 2' (2022) में उन्होंने खलनायक अद्वैत का किरदार निभाया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

इमरान हाशमी

इमरान हाशमी बॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने



साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'दे कॉल हिम आली' में बातेर विलेन अभिनय किया। इसमें उन्होंने खलनायक ओमी भाई का किरदार निभाया था। पवन कल्याण की अद्वैत वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

सेफ अली खान

बॉलीवुड अभिनेता सेफ अली खान लगातार कई फिल्मों से प्रशंसकों का दिल जीतते आए हैं। साउथ की फिल्म 'देवरा पार्ट 1' में वह खलनायक बनकर आए। इस रोल से उन्होंने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सेफ ने 'देवरा' (2027) में विलेन मेरु का किरदार निभाया था। इस फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। सेफ के अलावा फिल्म में जुनियर पनदीआर और जान्हवी कपूर को जोड़ी नजर आई थी।



प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को किया प्रेरित

रोशनी, संगीत और नृत्य से जीवंत हुई नमो सेवा गाथा



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रोशनी, संगीत और नृत्य के समन्वय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियाँ आज भिलाई के सिविक सेंटर स्थित लाल मंदिर में जीवंत हुईं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शाम 5 बजे आयोजित नमो सेवा गाथा पर आधारित लाइट एंड साउंड कार्यक्रम में कलाकारों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रसंगों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। (लागभा एक घंटे की इस प्रस्तुति को दर्शकों ने तन्मयता से देखा और प्रेरणास्पद बताते हुए सराहा।)

संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से गुरुगुरु लोक सेवा संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के सेवाकाल में हुई विभिन्न पड़वों की कला और नृत्य के माध्यम से मंत्र पर जतात गया। गुरुगुरु लोक सेवा संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के सेवाकाल में हुई विभिन्न पड़वों की कला और नृत्य के माध्यम से मंत्र पर जतात गया। गुरुगुरु लोक सेवा संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के सेवाकाल में हुई विभिन्न पड़वों की कला और नृत्य के माध्यम से मंत्र पर जतात गया।

सेवा संकल्प शिविर में मांग ज्यादा शिकायत कम 78 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 52 का किया निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के 10 वार्डों के लिए सेवा संकल्प शिविर आयोजन दिवालय रिसाली में लगाया गया। शुक्रवार को लगाए गए शिविर में शिकायत के अपेक्षा कम अधिक हैं। शिविर में कुल 78 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 52 का निराकरण दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व महापौर शशि सिन्हा के मार्गदर्शन पर किया गया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व महापौर शशि सिन्हा शिविर में लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। सबसे पहले पंजीकृत काउंटर तक पहुंचे नागरिकों से मुलाकात की। उन्होंने नागरिकों से समस्याओं के बारे में पुछताछ की। विधायक व महापौर ने निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं से कोई भी हिताग्रही वंचित न रहे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नागरिकों को महतारी वंदन, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री स्वनीय योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, पेंशन योजना आदि के बारे में विस्तार



से बताया। इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी अनिल देशमुख, पार्षद धर्मेन्द्र भागत, मनीष यादव, डॉ. सीना साहू, रमा साहू समेत मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजु जंघेल, आयुक्त मौनिका वर्मा आदि उपस्थित थे।

महापौर सिन्हा ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल रिसाली में लगाए गए शिविर में महापौर शशि सिन्हा ने अपना

स्वास्थ्य परीक्षण कराया। उन्होंने ब्लड प्रेशर व शुगर जांच सबसे सहेले कराया। इसके बाद ही वे नागरिकों से मुलाकात की। शिविर में मौजूद चिकित्सकों ने स्वास्थ्य टीका होना बताया।

आवेदन पर एक नजर

कुल आवेदन - 78
निराकरण - 52
मांग - 68
शिकायत - 10
शेष - 26

भारत सरकार की महत्वपूर्ण पैक्स कम्यूटराइजेशन कार्य में लापरवाही बैक पर्यवेक्षक संजय दिल्लीवार निलंबित

बैक म्यूखालय दुर्ग में 08 अक्टूबर 2026 को समितियों में चल रहे पैक्स कम्यूटराइजेशन कार्य का संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त एजीडेंट सहायक संपर्क दुर्ग संभाग दुर्ग के निदेशानुसार विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा किया गया। जिसमें संजय दिल्लीवार पर्यवेक्षक शाखा धमका की खरी आने पर वीसी से अनुपस्थित रहे एवं अपना मोबाइल भी बंद कर लिया गया। जबकि इस कार्य को समाप्त के लिए सेंट्रल की टीम 03 दिवसीय छ. ग. राख के प्रवास पर है। इसी विषय पर 09 अक्टूबर 2026 को आपके द्वारा मुख्यालय दुर्ग के पैक्स कम्यूटराइजेशन का कार्य देखने वाले कर्मचारी को मोबाइल से सफल कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आमतौर पर कार्य करते हुए कर्मचारी संध के पदाधिकारियों एवं बैक अधिकारियों के विरुद्ध अपराध का उद्योग कर दुरुव्यवहार किया गया। मुख्यालय द्वारा संजय दिल्लीवार पर्यवेक्षक के कार्यों में गंभीर लापरवाही किया जाना पाया गया उसके अनुरूप समितियों में पैक्स कम्यूटराइजेशन में अंतरां पिछड़ा हुआ है। इसी प्रकार अन्य कार्य जैसे ब्याज अनुदान खर्चा क्लेम, खाता का भीतिकरण, के. आर. पी. में क्लेम पिछड़ा हुआ है तथा शाखा/समिति स्तर के कालातीत ऋणों की वसूली में उदासीनता बरती गयी है। (बैक प्रबंधन के समक्ष विषय संज्ञान में आने पर प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए संजय कुमार दिल्लीवार पर्यवेक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।)

सड़क हादसा, पुलिसकर्मी समेत दो की मौत

रायपुर। राजधानी के सीमावर्ती क्षेत्र खरोरा में एक बेहद खौफनाक सड़क हादसा सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, यहां बंगोली के पास एक कार की टक्कर ट्रैक्टर से हो गई। इस भिड़ंत में कार सवार पुलिसकर्मी समेत दो की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि एक को बेहतर नाजुक हालत में अस्पताल में भेजी कराया गया है। दोनों वाहनों के बीच भिड़ंत की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर से कार पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि सभभवतः कार बेहद तेज गति में रही होगी। दोनों मृतकों के शव और घायल को अस्पताल रवाना कर दिया गया है। वाहनों की सड़कों से हटायी गया और फिर यातायात सामान्य किया गया। मृतकों में सिलतवा थाना में परदस्थ पुलिसकर्मी कलेक्टर वर्मा और कार सवार रूपेश निषाद शामिल है।

GOSWAMI

FLEX PRINTING

ADVERTIZER

मिलाई मैं सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
- One Way Vision • Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना

पलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991

एमआई चौक में नाली निर्माण की खामी पर महापौर बाघमार हुई सख्त, एक फीट गहरा करने के निर्देश

पुरानी नालियों के निकासी स्तर के अनुरूप होगा निर्माण, सही ढलान और लेवल पर काम करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार ने एमआई चौक और पुष्पक नगर में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। एमआई चौक में नाली निर्माण के दौरान पानी की निकासी के स्तर में खामी सामने आने पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणधीन नाली की जरूरत के अनुसार लगभग एक फीट गहरा कर पुरानी नालियों के निकासी स्तर से उचित मिलान करने तथा सही ढलान और लेवल के साथ निर्माण कराने को कहा।

महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभावी देव नारायण चंद्राकर और ठेकेदार के साथ वार्ड क्रमांक 25 स्थित एमआई चौक क्षेत्र में अग्रसे चौक रोड पर लोक निर्माण विभाग (पीएलसी) द्वारा कराया जा रहे नाली निर्माण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि बाई क्षेत्र की पुरानी नालियों से आने वाले पानी की निकासी को ध्यान में रखते हुए निर्माणधीन बड़ी नाली के स्तर में सुधार



की आवश्यकता है। मौजूदा स्तर के कारण पुरानी नालियों से पानी की निकासी प्रभावित होने की आशंका थी। इस पर महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वार्ड क्षेत्र से आने वाली दोनों पुरानी नालियों को निर्माणधीन नाली से उचित स्तर पर जोड़ा जाए, ताकि पानी का बहाव बाधित न हो। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार नई नाली को लगभग एक फीट गहरा करने और उचित ढलान व लेवल के अनुरूप निर्माण कराने को कहा।

महापौर ने स्पष्ट किया कि नाली निर्माण का उद्देश्य केवल नई संरचना तैयार करना नहीं, बल्कि क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाना है। इसके लिए तकनीकी जानकों, नाली के स्तर और पानी के प्राकृतिक बहाव का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने ठेकेदार को निर्देशित किया कि आवश्यक सुधार के बाद ही निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जाए, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना

न करना पड़े। इसके बाद महापौर ने वार्ड क्रमांक 60 स्थित पुष्पक नगर में सीमेंटकरण सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थल पर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार कराया जाए, जिससे सड़क टिकाऊ बने और स्थानीय नागरिकों का आवागमन में सुविधा मिले। उन्होंने कार्य की नियमित निगरानी करने और निर्माण को समय-समय में पूरा कराने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभावी देव नारायण चंद्राकर, पार्षद ललित ठाकुर, मनोज सोनी, निखिल खिचरिया, सहायक अभियंता सुरेश केवलांनी, करण यादव तथा डप अभियंता अर्पणा मिश्रा और पंक्ज साहू उपस्थित रहे।

BSP के ED रावघाट अरुण कुमार ने कश्मीर से लद्दाख तक की 460 KM साइकिल यात्रा पूरी की

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पत संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार ने फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कश्मीर से लेह-लद्दाख तक 460 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी की है। उन्होंने 20 सितंबर को कश्मीर से यात्रा शुरू की और 6 दिनों में दुर्गम पहाड़ी मार्गों, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और बदलते मौसम के बावजूद साइकिल चलाते हुए 25 सितंबर को लेह-लद्दाख पहुंचे।

अरुण कुमार ने कहा कि साइकिलिंग स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण तीनों के लिए प्रभावी माध्यम है। यह यात्रा शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन का भी प्रतीक है। इस अभियान का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि और इको-फ्रेंडली परिवहन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।



खरीदी बिक्री पर लगाये गये प्रतिबंध किया गया समाप्त ?

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने परियोजना प्रबंधक / विद्युत, रायपुर के 16 एवं 22 सितंबर 2026 को प्रस्तुत पत्र के आधार पर जिला दुर्ग के अनुभागा दुर्ग के ग्राह-बिक्रेता, चंगोरी, कोनारी, चंदखुरी, हनोदा, खमहरिया, उमरपोटी, उरई, डुमरडीह। अनुभागा पाटन के ग्राह परसाहीड, पंडहोर, औंधी, मगरवटा, वेन्दी, नारथी, महकाकला, महकाबुड, कुरुडहीह, बरंग तथा अनुभागा भिलाई-3 के ग्राह सोमनी, सिरसाकला, परसदा (पाहंदा), गनियाथी, देववाला, उरला कुल 25 ग्राहों की प्रतिबंधात्मक आदेश 03 जुन 2026 एवं 05 जुन 2026 के माध्यम से प्रभावित भूमियों के खाला

विभाजन, अंतरण, व्यवपर्वतन, खरीदी-विक्री आदि पर लगाये गये प्रतिबंध को समाप्त कर दिया है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। ज्ञात हो कि दुर्ग जिले में ईस्ट-वेस्ट डेडिकेटेड फ्रंट कारिडोर (दानकुनी-सुरत) के प्रस्तावित अलाइनमेंट में आने वाली जमीन की बिक्री/खरीद और ट्रांसफर पर लागू नियमों के तहत रोक लगाने के अनुरोध को परियोजना प्रबंधक डेडिकेटेड फ्रंट कारिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा उपरोक्त प्रभावित ग्राहों में खाला विभाजन, अंतरण, व्यवपर्वतन, खरीदी विक्री आदि पर लगाये गये प्रतिबंध को अलाइनमेंट की अंतिम रूप देने तक हटायें जाने हेतु निवेदन किया गया है।

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

🍰 Birthday Cakes
🎉 Anniversary Cakes
🍰 Custom Theme Cakes

📍 Serving Bhilai & Durg

📱 baked.by.suhani : posts, message

Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order

Followed by _s_andeep

Follow Message

Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/वी. मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उरई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है।) समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100